

प्रेषक,

सुशांत पटनायक

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन,

सेवा में,

अपर प्रमुख वन संरक्षक

नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन

उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक

20 अक्टूबर, 2010

विषय:- अनुदान सं0-27 के आयोजनागत पक्ष की राज्य सेक्टर योजनाओं के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु स्वीकृत वित्तीय स्वीकृति. महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-नि0-240/3-5 दिनांक 13 अगस्त, 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग के आयोजनागत पक्ष में संचालित योजनाओं हेतु पूर्व में अवमुक्त धनराशि के अतिरिक्त संलग्न तालिका के स्तम्भ सं0-5 में अंकित विवरणानुसार ₹ 9,74,11,000/- (₹ नौ करोड़ चौहत्तर लाख ग्यारह हजार मात्र) की धनराशि आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (1) उक्त धनराशि वर्णित योजना हेतु समक्ष स्तर से अनुमोदित कार्ययोजनान्तर्गत स्वीकृत कार्यों/मदों पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग अन्य कार्यों के क्रियान्वयन के लिए न किया जाय.
- (2) उक्त स्वीकृति व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं0-187/XXVII(1)/2010, दिनांक 30 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/यथास्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय. शासन द्वारा वांछित सूचनायें एवं विवरण निर्धारण प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1(वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1(लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्चोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय.
- (3) यह संज्ञान में आया है कि धनराशि विभागाध्यक्षों के निवर्तन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्षों द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निवर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है. अतः आपके निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय, जिससे की फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो, परन्तु यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि धनराशि का आहरण वास्तविक मांग आधार पर किश्तों में किया जाय.
- (4) आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी0एम0-17 पर प्रत्येक माह प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा.
- (5) अनुदान के अन्तर्गत होने वाली सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा, जिससे की राज्य स्तर पर कैश-प्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो.
- (6) बी0एम0-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 20 तारिख तक पूर्ण माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय.
- (7) व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है. अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय. इस सम्बन्ध में वेतन आदि मदों के अतिरिक्त शेष मदों में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल शीर्षक/मदवार बचत की कार्ययोजना बना ली जाय तथा तदनुसार विशेषकर आयोजनेत्तर पक्ष में बचत करने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर बचत किया जाना सुनिश्चित किया जाय.
- (8) जो निर्माण कार्य आरम्भ किये जा चुके हैं, के परिप्रेक्ष्य में स्वीकृत कार्य, आगणन की धनराशि, निर्गत वित्तीय स्वीकृति इत्यादि का विवरण वित्त विभाग के शासनादेश-485/XXVII(1)/2009, दिनांक 16 जुलाई, 2009 द्वारा निर्धारित किये गये प्रक्रियानुसार निर्धारित प्रपत्रों पर प्रशासकीय विभाग, नियोजन विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय.

- (9) मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं०-ब-06/X-2-2010-12(11)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (10) योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय।
- (11) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- (12) अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्रावधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- (13) निर्माण कार्यों के लागत व समय वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए कड़ी कार्यवाही व संधन अनुश्रवण किया जायेगा एवं इस हेतु बजट मैनुअल के प्रस्तर-211(डी) की अनुपालन सुनिश्चित की जायेगी।
- (14) विभागाध्यक्ष द्वारा वर्ष के प्रारम्भ में तथा हर माह की 10 तारीख तक वित्त एवं नियोजन विभाग को केन्द्र सहायतित/बाह्य सहायतित योजनाओं में अनुमोदित परिव्यय के सापेक्ष केन्द्रांश की धनराशि तथा केन्द्र सरकार से प्राप्त हुई धनराशि का विवरण उपलब्ध कराएंगे। उक्त सूचना के अभाव में वित्तीय अधिकारों पर रोक लगा दी जायेगी। केन्द्र सरकार से प्राप्त होने वाले अवशेष धनराशि का विवरण भी प्रतिमाह उपलब्ध कराया जायेगा।
- (15) यह वित्तीय स्वीकृति इस शर्त/प्रतिबन्ध के अधीन भी है कि चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में अगली वित्तीय स्वीकृति तभी निर्गत की जायेगी, जबकि निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृति का उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं प्रत्येक योजना के सम्बन्ध में स्टेटस रिपोर्ट अर्थात् योजना कब प्रारम्भ की गई, कितने वर्षों के लिए योजना है, योजना का भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य कितना है तथा लक्षित योजना के सापेक्ष कितना भौतिक लक्ष्य अभी प्राप्त हो चुका है एवं कितना शेष है, आदि के सम्बन्ध में विस्तृत विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा तथा यह भी कि गत वित्तीय वर्ष 2009-10 में निर्गत की गई समस्त वित्तीय स्वीकृतियों के सापेक्ष उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- (16) योजना में अग्रेतर वित्तीय स्वीकृति/धनराशि अवमुक्त तभी की जायेगी जब सम्पूर्ण परियोजना/कार्ययोजना मय योजना अवधि, कुल लागत, वर्षवार भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य, outcome/impact के लक्ष्य/अनुमान, चयनित कार्यों का विवरण आधार पर तैयार की गई रिपोर्ट/प्रस्ताव पर सक्षम स्तर से अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया हो।
- (17) ऐसे सभी निर्माण कार्य जो ₹ 5.00 लाख से अधिक हैं, का आगणन/प्राक्कलन तैयार कर शासन को उपलब्ध करायी जाय तथा ऐसे आगणन/प्राक्कलन के सापेक्ष शासन के टी०ए०सी० वित्त विभाग से परिक्षणोपरान्त अनुमोदित वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में प्रशासकीय विभाग द्वारा अनुमोदन दिये जाने के उपरान्त ही इस प्रकार के कार्यों हेतु वित्तीय स्वीकृति अधीनस्थ कार्यालयों को निर्गत की जायेगी।

2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्यय अनुदान सं०-27 के अन्तर्गत संलग्न तालिका में अंकित विवरणानुसार उल्लिखित मदों के नामे डाला जायेगा।

3. ये आदेश वित्त विभाग के अ०शा०सं०-61 (P)/XXVII(4)/2010, दिनांक 18 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि.

भवदीय

(सुशांत पटनायक)

अपर सचिव

संख्या-२४७ (१)/X-२-२०१०, तद्दिनांकत.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार(लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
2. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून.
3. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन तथा लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून.
5. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून.
6. प्रमुख सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
7. अपर सचिव, वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
8. आयुक्त, कुमाऊं/गढ़वाल मण्डल.
9. सम्बन्धित जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
10. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून.
11. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ/सम्बन्धित कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
12. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
13. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
14. गार्ड फाइल

आज्ञा से,

322

(अहमद अली)

अनु सचिव

शासनादेश सं०-२४७/ख-२-२०१०-१२(१३)/२०१०, दिनांक २० अक्टूबर, २०१० का संलग्नक:-

(धनराशि ₹ हजार में)

क० सं०	लेखा शीर्षक/योजना का नाम/मानक मद	आय-व्ययक प्रावधान	पूर्व में स्वीकृत धनराशि	वर्तमान वित्तीय स्वीकृति
1	2	3	4	5
	2406-वानिकी तथा वन्य जीवन			
	01-वानिकी			
	102-समाज तथा फार्म वानिकी			
1	06-00-रोजगार परक वृक्षारोपण योजना-टेक्सस बकाटा, च्यूरा, त्रिफला आदि जड़ी-बूटियों का रोपण			
	24- वृहद निर्माण	20000	10000	10000
	29- अनुरक्षण	5000	2500	2500
	योग	25000	12500	12500
	800-अन्य व्यय			
2	03-00-वनो की अग्नि से सुरक्षा			
	13- टेलीफोन पर व्यय	500	200	300
	15- मोटर गाड़ियों का अनुरक्षण	1000	400	600
	16- व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	100	40	60
	24- वृहद निर्माण	8000	3200	4800
	26- मशीन साज सज्जा/उपकरण एवं संयंत्र	3000	1200	1800
	29- अनुरक्षण	3000	1200	1800
	42- अन्य व्यय	500	200	300
	44- प्रशिक्षण	250	100	50
	46- कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	400	160	100
	47- कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	25	10	15
	योग	16775	6710	9825
3	04-00-आरक्षित एवं सिविल एवं सोयम वनों का विकास			
	24- वृहद निर्माण	60000	30000	20000
	29- अनुरक्षण	10000	5000	5000
	योग	70000	35000	25000
4	06-00-वन पंचायत तथा वन विभाग के अधिकारियों / कर्मचारियों का अल्पकालीन प्रशिक्षण			
	04- यात्रा व्यय	120	60	60
	15- गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद	130	65	65
	42- अन्य व्यय	500	250	250
	44- प्रशिक्षण व्यय	3500	1750	1750
	योग	4250	2125	2125

5	09-00-जंगली जानवर द्वारा सरकारी कर्मचारियों या जनता को जान माल नुकसान पर क्षतिपूर्ति			
	20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	20000	10000	10000
	योग	20000	10000	10000
6	12-00-रिसर्च एवं टेक्नोलोजी डेवलपमेन्ट			
	08- कार्यालय व्यय	55	28	27
	09- विद्युत देय	50	25	25
	10- जलकर/जल प्रभार	50	25	25
	11- लेखन सामग्री एवं फार्मों की छपाई	50	25	25
	12- कार्यालय फनीचर एवं उपकरण	80	40	40
	13- टेलीफोन पर व्यय	150	75	75
	15- मोटर गाड़ियों का अनुरक्षण	450	225	225
	24- वृहत निर्माण	8000	4000	4000
	26- मशीन साज सज्जा	1000	500	500
	29- अनुरक्षण	1500	750	750
	47- कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	50	25	25
	योग	11435	5718	5717
7	13-00-वनो की सुरक्षा हेतु/अतिक्रमण रोकने के लिये बाउन्ड्रीवाल का निर्माण			
	24- वृहत निर्माण कार्य	2500	1250	1250
	25- लघु निर्माण कार्य	8000	4000	3000
	26- मशीन साज सज्जा/उपकरण एवं संयंत्र	100	50	50
	29- अनुरक्षण	800	400	400
	42- अन्य व्यय	100	50	50
	योग	11500	5750	4750
8	15-00-अधिक उच्च प्राणि उद्यान, वन मनोरंजन चेतना केन्द्र एवं पर्यटक स्थलों का विकास			
	24- वृहत निर्माण कार्य	3000	1500	1500
	25- लघु निर्माण कार्य	4000	2000	2000
	26- मशीन साज-सज्जा/उपकरण एवं संयंत्र	400	200	200
	29- अनुरक्षण	3500	1750	750
	42- अन्य व्यय	600	300	150
	44- प्रशिक्षण व्यय	250	125	125
	46- कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	11	5	6
	47- कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	50	25	25
	योग	11811	5905	4756
9	17-00-इको टूरिज्म			
	08- कार्यालय व्यय	75	37	13
	09- विद्युत देय	50	25	25

क्रमशः.....3

	10- जलकर/जल प्रभार	50	25	25
	11- लेखन सामग्री एवं फार्मों की छपाई	150	75	25
	18- प्रकाशन	250	125	125
	24- वृहत निर्माण	4000	2000	2000
	25- लघु निर्माण	5000	2500	2500
	29- अनुरक्षण	5000	2500	2500
	44- प्रशिक्षण व्यय	500	250	250
	47- कम्प्यूटर अनुरक्षण/स्टेशनरी का क्रय	250	125	125
	योग	15325	7662	7588
10	18-00-गूजर पुनर्वास योजना			
	25- लघु निर्माण कार्य	1000	500	500
	29- अनुरक्षण	1000	500	500
	योग	2000	1000	1000
11	25-00-जीवों के वास स्थलों का विकास			
	24- वृहत निर्माण	6000	3000	3000
	25- लघु निर्माण	6000	3000	2000
	44- प्रशिक्षण	500	250	100
	योग	12500	6250	5100
12	34-00-वन पंचायतों के सुदृढीकरण हेतु माइक्रोप्लान तैयार करना			
	15- मोटर गाड़ियों का अनुरक्षण	100	50	50
	42- अन्य व्यय	1500	750	750
	44- प्रशिक्षण	1000	500	500
	योग	2600	1300	1300
13	41-00-वोमैन कम्पोनेट के अन्तर्गत नर्सरी विकास कार्य			
	44- प्रशिक्षण व्यय	500	250	250
	योग	500	250	250
	पूँजी लेखा.....			
	4406-वानिकी और वन्य जीवन पर पूँजीगत परिव्यय			
	01-वानिकी			
	101-वन संरक्षण और विकास			
14	07-00-इको टास्क फोर्स द्वारा वनीकरण कार्य			
	24- वृहत निर्माण	15000	7500	7500
	योग	15000	7500	7500
	योग अनुदान सं0-27	218696	107670	97411

(वर्तमान स्वीकृति ₹ नौ करोड़ चौहत्तर लाख ग्यारह हजार मात्र)


(सुशांत पटनायक)
अपर सचिव